

पर्यटन निदेशालय, उत्तराखण्ड पटेल नगर, देहरादून ।

संख्या-4218/2-6-68/2006-07,

देहरादून:दिनांक 26 मार्च, 2007

-:कार्यालय आदेश:-

शासनादेश संख्या-270/VI/2006-5(पर्य0)97, दिनांक 23 मार्च, 2007 द्वारा प्राप्त स्वीकृति के आधार पर केन्द्रीय वित्त पोषित योजनाओं के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में निम्नलिखित योजनाओं हेतु केन्द्रांश के रूप में रु0 159.00 लाख एवं राज्यांश के रूप में रु0 61.26 लाख कुल रु0 220.26 लाख (रु0 दो करोड़ बीस लाख छब्बीस हजार मात्र) की धनराशि को इन योजनाओं के मांग-पत्रों/ आगणनों के विरुद्ध निम्न विवरणानुसार आहरित करके भुगतान किये जाने की स्वीकृति एतद्वारा प्रदान की जाती है:-

(धनराशि रुपये में)

क्र0 सं0	जनपद/ योजना का नाम	केन्द्रांश	राज्यांश	कुल योग	2 प्रतिशत आयकर	आयकर पर अधिभार 10 प्रतिशत	आयकर एवं अधिभार पर 2 प्रतिशत ऐजुकेशन सैस	कुल कटौती	शुद्ध देय धनराशि	निर्माण इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	जनपद-नैनीताल									
1	पर्यटन ग्राम आदि कैलाश जनपद नैनीताल	40,00,000	—	40,00,000	80,000	8,000	1,760	89,760	39,10,240	प्रबन्ध निदेशक कु0म0वि0नि0, नैनीताल
2	पर्यटन ग्राम पदमपुरी जनपद नैनीताल	40,00,000	—	40,00,000	80,000	8,000	1,760	89,760	39,10,240	प्रबन्ध निदेशक कु0म0वि0नि0, नैनीताल
	जनपद-उधमसिंह नगर									
3	पर्यटन ग्राम नानकमत्ता जनपद उधमसिंहनगर	39,00,000	—	39,00,000	78,000	7,800	1,716	87,516	38,12,484	प्रबन्ध निदेशक कु0म0वि0नि0, नैनीताल
	जनपद-रूद्रप्रयाग									
4	पर्यटन ग्राम त्रिजुगीनारायण जनपद रूद्रप्रयाग	40,00,000	—	40,00,000	80,000	8,000	1,760	89,760	39,10,240	प्रबन्ध निदेशक ग0म0वि0नि0, देहरादून
	जनपद-टिहरी									
5	मार्गीय सुविधा, कददूखाल जनपद टिहरी	—	11,81,000	11,81,000	23,620	2,362	520	26,502	11,54,498	प्रबन्ध निदेशक ग0म0वि0नि0, देहरादून

	जनपद-देहरादून									
6	पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड में इनफोरमेशन टेक्नोलॉजी योजना	-	49,45,000	49,45,000	98,900	9,890	2,176	1,10,966	48,34,034	प्रबन्ध निदेशक ग0म0वि0नि0, देहरादून
		1,59,00,000	61,26,000	2,20,26,000	4,40,520	44,052	9,692	4,94,264	2,15,31,736	

(रु० दो करोड़ बीस लाख छब्बीस हजार मात्र)

2- उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण इस निदेशालय के आहरण वितरण अधिकारी द्वारा किया जायेगा जो उक्त धनराशि को आहरित कर बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से उपरोक्त तालिका के कॉलम-11 में इंगित निर्माण इकाईयों को भुगतान करना सुनिश्चित करेंगे। सम्बन्धित निर्माण इकाई उक्त धनराशि की विधिवत् प्राप्ति रसीद इस कार्यालय को उपलब्ध करायेगी।

- 3- (1)-गढ़वाल मण्डल विकास निगम देहरादून का PAN No.- AACHG 8162K
(2)-कुमाऊं मण्डल विकास निगम नैनीताल का PAN No.-AABCK 4290L

4- क्र०सं०-6 पर इंगित योजना "पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड में इनफोरमेशन टेक्नोलॉजी योजना" की निर्माण इकाई-गढ़वाल मण्डल विकास निगम देहरादून इस योजना को एन०आई०सी० के माध्यम से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करेंगे।

5- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

6- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं, की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करा लें।

7- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाये।

8- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

9- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

10- जो कार्य जिस जनपद के जिला पर्यटन विकास कार्यालय के अन्दर है, क्रमशः उसी कार्य के अनुरक्षण/भविष्य वचनबद्धता होगी। उक्त कार्य हेतु निदेशालय/शासन द्वारा अलग से पुनः कोई सहायता/अनुदान नहीं दिया जायेगा।

11- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

- 12- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 13- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 14- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 15- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 16- जिन कार्यों पर द्वितीय किस्त अवमुक्त की जानी है, उनमें व अन्य योजनाओं में भी प्रथम किस्त के रूप में स्वीकृत धनराशि की वित्तीय / भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त ही दूसरी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 17- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31-03-2007 तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर पर्यटकों हेतु संचालित कर लिया जायेगा, इस हेतु सम्बन्धित निर्माण इकाई कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिये उत्तरदायी होगी तथा योजना की वित्तीय / भौतिक प्रगति का विवरण प्रत्येक माह इस निदेशालय एवं शासन को उपलब्ध करायेगी।
- 18- भविष्य में उक्त कार्य के अनुरक्षण तथा संचालन के दायित्व की लिखित बचनबद्धता सम्बन्धित विभाग से लेकर ही कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा।
- 19- जो कार्य जिस जिला पंचायत/मंदिर समिति के अन्दर है क्रमशः उसी संस्था से कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व उक्त कार्य के अनुरक्षण/भविष्य की आवर्तक देयता की भुगतान की लिखित बचनबद्धता लेने के बाद ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। उक्त कार्य हेतु शासन /पर्यटन निदेशालय द्वारा अलग से पुनः कोई सहायता/अनुदान नहीं दी जायेगी।
- 20- उक्त सहायता आवर्तन नहीं है। मन्दिरों का अनुरक्षण सम्बन्धित मन्दिर के प्रबन्धन द्वारा भविष्य में अपने संसाधनों से किया जायेगा।
- 21- योजना पर धनराशि तभी व्यय की जायेगी जब योजना हेतु भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाय तथा राज्य सेक्टर योजनाओं हेतु निर्गत अन्य संगत दिशा-निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित कर लिया जाय।
- 22- सम्बन्धित निर्माण इकाई कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किये जाने हेतु एक पट चार्ट तैयार कर पर्यटन निदेशालय / शासन को उपलब्ध करायेगी एवं कार्य को निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण करने हेतु वचनबद्धता भी इंगित करेगी। कार्य पूर्ण होने पर सम्बन्धित जिला पर्यटन विकास अधिकारी द्वारा कार्य का भौतिक निरीक्षण कर कार्य पूर्ण होने की सूचना व योजना का फोटोग्राफ्स अवश्य इस निदेशालय एवं शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। उपरोक्त स्वीकृत धनराशि में यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है, तो उसे शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
- 22- निर्माण कार्यों में सामग्री व डिजाइन आदि का प्रयोग इस प्रकार किया जाय कि स्थानीय पर्यावरण एवं प्राकृतिक सुन्दरता को कम से कम क्षति हो, जहां तक सम्भव हो स्थानीय एवं पर्यावरण के अनुरूप (इकोफ्रेंडली) निर्माण कार्य किया जाय। जहां आवश्यक हो भूकम्प रोधी तकनीक का उपयोग किया जाय।
- 23- उक्त स्वीकृत कार्यों का निर्माण इकाई द्वारा भवन के मुख्य दीवाल पर सीमेंट से निर्मित उत्तराखण्ड पर्यटन के लोगो सहित भवन का नाम प्रदर्शित किया जायेगा।

24- उक्त स्वीकृत कार्यों का निर्माण इकाई द्वारा एक साईन बोर्ड भी निर्माण स्थल पर प्रदर्शित किया जायेगा जिसका प्रारूप निम्नवत् है, साईन बोर्ड के निर्माण के लिये अलग से धनराशि देय नहीं होगी :-



कार्य का नाम :-सेक्टर :-
स्वीकृत लागत :-
भौतिक विवरण :-
कार्यदायी इकाई :-
कार्य प्रारम्भ होने की तिथि :-
कार्य पूर्ण होने की सम्भावित तिथि :-

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्

उक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या- 26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-02 पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा व्यवस्था हेतु आधारभूत सुविधाओं का निर्माण-42- अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

३०/-

(डा० एस०एस० सन्धू)

निदेशक पर्यटन, उत्तराखण्ड।

प्र०प०संख्या- ५२/४ / (1) / 2006-07, समदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- पर्यटन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
- 4- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल प्रौड़ी।
- 5- आयुक्त, कुमाऊं मण्डल नैनीताल।
- 6- जिलाधिकारी, नैनीताल/उधमसिंह नगर/रूद्रप्रयाग/टिहरी/देहरादून।
- 7- प्रबन्ध निदेशक, गढ़वाल मण्डल विकास निगम, देहरादून।
- 8- प्रबन्ध निदेशक, कुमाऊं मण्डल विकास निगम, नैनीताल।
- 9- निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- आहरण वितरण अधिकारी, मुख्यालय।
- 11- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, नैनीताल/उधमसिंह नगर/रूद्रप्रयाग/टिहरी/देहरादून।
- 12- सम्बन्धित फाईल हेतु।
- 13- गार्ड फाइल।

३

(ए०के० द्विवेदी)

संयुक्त निदेशक पर्यटन।